(AN ISO 9001: 2008 CERTIFIED COLLEGE)
AMONG TOP 20 B-SCHOOLS IN INDIA (UGC2F)

ESTD.1996

UNIQUE GROUP OF COLLEGES

MURADNAGAR (GHAZIABAD)

स्वराज्य

दर्पण

77th

गणतंत्र दिवस

INDIA

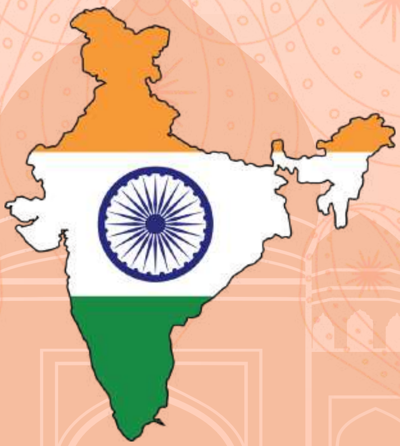

26 TH JANUARY 2026

"Stay updated! Visit our website for latest schemes & initiatives for girls".

www.uimtcollege.com
www.uips.in

"शिक्षा वह दर्पण है, जिसमें राष्ट्र अपना भविष्य देखता है। आइए, हम सब मिलकर एक समर्थ और संस्कारित भारत का प्रतिबिंब बनें।"

Hon'ble Uday Veer Singh was born on 3rd Dec. 1953 in village shakoorpur and was the most loveable child of his parents. Prof singh started his education from Kishan Inter College, Mohiuddinpur and did his bachelors and post graduation from M.M.P.G. College, Modinagar, and his B.ped from Muzaffarpur, Bihar and N.SS from Patiyala College, Punjab, his love towards the sports and games motivated him and he raised the slogan of Education is incomplete without sports.

Prof. Uday Veer Singh was with vision of educating the needy and the desirous people who were devoted of this opportunity. He dreamt of starting his career as an educationist. This has been well said that "God helps those who help them selves therefore the dream of Mr. Singh came into reality, this reality gave birth to Unique and he was duly supported by his wife Dr. Sudha Singh and the journey of Unique started from Raj Chopla, Modinagar in 1996. The couple worked tirelessly and unstoppable to make the Unique as a best choice for every student but on 12th Aug. 1998 God took Mr. Singh to his world but his half left work has been courageously being taken to new heights by his life partner Dr. Sudha Singh who is being duly supported by the entire Unique family.

PROF. UDAY VEER SINGH JI
Our Founder

"स्वराज्य दर्पण का अर्थ है स्वयं का अवलोकन। यूनिक ग्रुप में हमारा प्रयास है कि हम शिक्षा को एक ऐसा दर्पण बना दें, जिसमें देख कर छात्र अपनी कमियों को दूर कर सकें और अपनी शक्तियों को पहचान सकें। यही आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है।"

डॉ. सुधा सिंह
(D.Litt)

"नवाचार और आधुनिक सोच ही विकसित भारत की पहचान है।"

गणतंत्र दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

'स्वराज्य दर्पण' हमारे छात्रों की रचनात्मकता और उनकी नई सोच का आईना है। आज के युग में तकनीकी दक्षता और कौशल संवर्धन अनिवार्य है। हमारा निरंतर प्रयास है कि हम अपने विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ें ताकि वे वैश्विक स्तर पर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

शुभम सिंह

APPROVED BY AICTE, UGC U/S 2(F) & NCTE, AFFILIATED BY C.C.S. UNIVERSITY, MEERUT, DR. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY, LUCKNOW & SCERT PRAYAGRAJ

BBA /BCA /B.Com / B.Ed /D.El.Ed /MBA / MCA/B.A.LL.B/LL.B

9837024997,8979611724

UIMT CITY, NH-58, GANG NAHAR, MURADNAGAR 201206

www.uimtcollege.com

शिक्षा, संस्कार और स्वराज्य

(दृष्टिकोण)

"स्वराज्य दर्पण: स्वयं को पहचानें, राष्ट्र को सजाएं।"

(दायित्व)

"स्वतंत्र विचार, समर्थ छात्र, सशक्त भारत।"

(शिक्षा)

"शिक्षा वह दर्पण है, जिसमें भविष्य चमकता है।"

(प्रगति)

"अतीत का गौरव, भविष्य का प्रतिबिंब।"

(संस्कार)

"संस्कार ही स्वराज्य की असली नींव हैं।"

डॉ. आकांक्षा सिंह
(अध्यक्षा)

"गणतंत्र का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि शिक्षित होकर अपने कर्तव्यों को समझना भी है।"

गणतंत्र दिवस के इस पावन पर्व पर, 'स्वराज्य दर्पण' के माध्यम से हम अपने संस्थान की कार्य-संस्कृति और भविष्य के लक्ष्यों को साझा कर रहे हैं। सचिव के रूप में, मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है।
हमारा निरंतर प्रयास है कि:

- नवाचार (INNOVATION): हम शिक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीकों का समावेश करें।

- अनुशासन (DISCIPLINE): विद्यार्थियों के जीवन में समयबद्धता और निष्ठा का संचार करें।

- उत्तरदायित्व (RESPONSIBILITY): हर छात्र को एक जिम्मेदार और सजग भारतीय नागरिक के रूप में तैयार करें।

'स्वराज्य दर्पण' पत्रिका संस्थान की इसी पारदर्शिता और प्रगति की परिचायक है। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर हम सब मिलकर एक सशक्त और शिक्षित भारत के निर्माण का संकल्प लें।

शुभकामनाएं!
मुकेश राज शर्मा
सचिव, यूनिक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस

"आज़ादी हमें बलिदानों से मिली, अब इसे शिक्षा और प्रगति से सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है।"

(29 Years of Excellence)

उदयोत्सव

Chief Guest

DR.RAJKUMAR SANGWAN JI

"यूनिक ग्रुप" लाया है आपके सपनों को पंख लगाने का मौका!

'कृष्ण सुदामा स्कीम'

- ऐसे छात्र/छात्रा को मुफ्त (फ्री) प्रवेश दिया जायेगा जिनके माता-पिता का स्वर्गवास हो गया है (मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर)
- 85% से ऊपर प्राप्त अंकों के आधार पर छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी।
- 75% से ऊपर प्राप्त अंकों के आधार पर छात्र की 50% फीस माफ की जायेगी।
- किसी भी वर्ग (सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अनुसूचित जाति) की छात्रा के कोर्स की 50% फीस माफ की जायेगी।

SPECIAL FREE FEATURES FOR GIRLS

- PERSONALITY DEVELOPMENT EDUCATION
- BASIC COMPUTER & TALLY EDUCATION
- 100% PLACEMENT ASSISTANCE

तिरंगे का क़र्ज़

लाल रक्त से धरा नहाई,
श्वेत नभ पर लालिमा छायी,
आजादी के नव उद्घोष पे,
सबने वीरो की गाथा गायी,
गाँधी, नेहरु, पटेल, सुभाष की,
ध्वनि चारो ओर है छायी,
भगत, राजगुरु और,
सुखदेव की कुरबानी से आँखे भर आई॥

ऐ भारत माता तुझसे अनोखी,
और अद्भुत माँ न हमने पाय,
हमारे रगों में तेरे क़र्ज़ की,
एक एक बूँद समायी
माथे पर है बांधे कफ़न,
और तेरी रक्षा की कसम है खायी,
सरहद पे खड़े रहकर,
आजादी की रीत निभाई...

Agrima Chaudhary
B.com 2nd year

आजादी हो गई है बूढ़ी

आजादी हो गई है बूढ़ी
उम्र हो गई साठ
आज के बच्चे कैसे समझे
देशभक्ति का पाठ
ना कोई बापू ना चाचा
ना इंकलाब का नारा
अब तो युवाओं को भाए
एश सुष्मिता लारा
अंग्रेजों ने भारत छोड़ा
अब हम भारत छोड़े
डॉलर डॉलर रट लगाकर
अमेरिका को दौड़े
कौन बहाए देश की खातिर
अपना खून पसीना
खुद को एनआरआई कहते
तान के अपना सीना
वंदे मातरम भूल गए हम
गाए तेरे सुरूर
जाने किस आजादी की खातिर
इतना करें गुरूर
देश को जकड़े हुए हैं
गरीबी और भ्रष्टाचार
आजादी का फिर भी
मनाए आज हम त्यौहार..!

Kajal
BCA 1ST year

"गणतंत्र का अर्थ केवल संविधान का होना नहीं है, बल्कि हर नागरिक के भीतर देश के प्रति सम्मान का होना है। आपकी छोटी सी ईमानदारी, देश की बड़ी प्रगति है।"

"महान राष्ट्र का निर्माण महान नागरिकों से होता है।"

इतिहास

तू था तू है तू हमेशा रहेगा
हम रहे ना रहे तेरा वजूद हमेशा रहेगा
अनेक है हम फिर भी एक है हम
यह अहसास इस देश को जोड़े रहेगा
माना पूत कपूत बहुत है तेरे
लेकिन भारत माँ से जुड़ा अहसास हमेशा रहेगा
कुछ तो बात है इस देश की मिट्टी में जिसकी गवाही इतिहास हमेशा देगा...

Shobha
BBA 1ST year

'स्वराज्य दर्पण' के इस गरिमामयी अंक के माध्यम से सभी पाठकों को मेरा सप्रेम नमस्कार।

एक शिक्षक के रूप में मेरा यह सदैव प्रयास रहता है कि विद्यार्थी आधुनिकता की दौड़ में अपनी मातृभाषा और अपनी जड़ों को न भूलें। यूनीक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल साक्षर करना नहीं, बल्कि उन्हें हिंदी साहित्य के उस अगाध सागर से परिचित कराना है, जहाँ प्रेम, करुणा और राष्ट्रवाद की लहरें उठती हैं।

गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर हम संकल्प लें कि:

- हम अपनी राजभाषा हिंदी के प्रति गर्व का भाव जाग्रत करेंगे।
- साहित्य के माध्यम से छात्रों की कल्पनाशीलता को नई उड़ान देंगे।
- शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखकर उसे जीवन के मूल्यों से जोड़ेंगे।

रजनी
D.EL.ED
विभाग

युवाओं के लिए संदेश

"गणतंत्र का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। आज के युवाओं को यह समझना होगा कि देश की प्रगति उनके कौशल (SKILLS) और उनकी नैतिकता (ETHICS) पर टिकी है। आइए, एक जागरूक नागरिक बनने का संकल्प लें।"

शालिनी चौधरी
पुस्तकालय विभाग

"अनेकता में एकता ही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है।"

AFFILIATED BY CBSE NEW DELHI

SCHOOL CODE:60646

UNIQUE INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL

TAKE EDUCATION TO NEXT LEVEL

शुभuday
PRE-PRIMARY

ADMISSION OPEN 2026-27

PLAY - XIth

Booklet Study

Modern Facilities

Flow Chart Pattern

गणतंत्र दिवस के गौरवशाली अवसर पर, 'स्वराज्य दर्पण' के इस अंक के माध्यम से मैं विद्यालय परिवार और अभिभावकों के साथ अपनी भावनाओं को साझा करते हुए गर्व महसूस कर रहा हूँ।

एक प्रधानाचार्य के रूप में, मेरा मानना है कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है। यूनीक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हमारा प्रयास केवल परीक्षा के परिणाम सुधारना नहीं, बल्कि एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ:

- बौद्धिक विकास: छात्र रटने के बजाय सीखने की प्रक्रिया का आनंद लें।
- अंतर्राष्ट्रीय मानक: हम वैश्विक स्तर की शिक्षा और आधुनिक खेल सुविधाओं के माध्यम से छात्रों को विश्व के समकक्ष खड़ा कर सकें।
- स्वराज्य की भावना: छात्रों में अपने देश के प्रति प्रेम और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान जाग्रत हो।

यह पत्रिका हमारे छात्रों की रचनात्मकता और विद्यालय की उपलब्धियों का जीवंत दस्तावेज है। आइए, हम सब मिलकर आने वाली पीढ़ी को ज्ञान और नैतिकता के प्रकाश से सुसज्जित करें।

जय हिन्द!
वीर बहादुर त्यागी
प्रधानाचार्य
यूनिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल

यूनिक ग्रुप की ओर से बेटियों के उज्जवल भविष्य के लिए एक कदम

A. एक परिवार की तीन बेटियाँ है तो

1. प्रथम बेटी की पूरी फीस होगी।
2. द्वितीय बेटी की आधी फीस होगी।
3. तृतीय बेटी की पूरी फीस माफ होगी।

B. एक परिवार की दो बेटियाँ हैं तो

1. प्रथम बेटी की पूरी फीस होगी।
2. द्वितीय बेटी की पूरी फीस माफ ।

C. एक परिवार की एक ही बेटी है तो

1. कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक की पूरी फीस माफ होगी।
2. कक्षा 9 से कक्षा 12 तक की आधी फीस होगी।

गणतंत्र दिवस

तिरंगे के तीन रंग: एक सीख"

- केसरिया: अदम्य साहस और त्याग का प्रतीक। (हमें निस्वार्थ बनना सिखाता है)
- सफेद: शांति और सच्चाई का मार्ग। (हमें ईमानदारी सिखाता है)
- हरा: संपन्नता और हरियाली। (हमें प्रकृति के प्रति प्रेम सिखाता है)
- अशोक चक्र: निरंतर गतिशीलता। (हमें रुकना नहीं, बढ़ना सिखाता है)

आरती
यूआईपीएस
अध्यापक

"मजबूत युवा, सशक्त गणतंत्र।"

नया सवेरा

कलम और ज्ञान की शक्ति से,
हमें नया इतिहास बनाना है।
सिर्फ पढ़कर डिग्री नहीं लेनी,
देश के लिए कुछ कर दिखाना है।
संविधान की मर्यादा रहे,
हर हृदय में सद्भाव रहे।
हम युवाओं के जोश से ही,
भारत का ऊँचा नाम रहे।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं,
गणतंत्र का मान बढ़ाएं।

दिशा सैन
यूआईपीएस
अध्यापक

शिक्षक और छात्र

ज्ञान का दीप जलाएंगे,
अंधियारा दूर भगाएंगे।
संविधान के इन वादों को,
हम मिलकर सच कर दिखाएंगे।
जय भारत, जय संविधान,
तुझसे ही है हमारी शान।

वीना अरोड़ा
यूआईपीएस
अध्यापक

ज़िम्मेदारी और कर्तव्य

आज़ादी की रक्षा करना,
हम सबका कर्तव्य महान।
शिक्षा और सदाचार से ही,
बनेगा देश बलवान।
चलो तिरंगा फहराएं हम,
लोकतंत्र का पर्व मनाएं हम।

खुशी
यूआईपीएस
अध्यापक

विवान
प्ले ग्रुप

गौरवशाली सुविचार

"देश के संविधान की रक्षा का सबसे प्रभावी हथियार 'शिक्षा' है, और उस हथियार को चलाने वाला रक्षक 'शिक्षक' है।"

शिवानी
यूआईपीएस
अध्यापक

"कलम की ताकत तलवार से बड़ी होती है। एक शिक्षित और चरित्रवान युवा ही इस गणतंत्र का असली रक्षक है।"

स्वराज दर्पण
(26 जनवरी गणतंत्र दिवस)

आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय शिक्षक गण और मेरे प्यारे दोस्तों आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं यह सिर्फ एक तारीख नहीं बल्कि हमारे लोकतंत्र हमारी सप्रभुता और संविधान की जीत क प्रतीक है यह दिन भारत के गणतंत्र बनने और संविधान लागू होने का प्रतीक है जो हमें स्वतंत्रता समानता और न्याय देता है और यह दिन हमारे शहीदों के बलिदान को याद करने का दिन है जिसके बाद देश की विविधता में एकता और एकजुट होकर देश के विकास के संपूर्ण योगदान देने के लिए हम संकल्प लेते हैं आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 ई को भारत का संविधान लागू हुआ था और भारत एक पूर्ण संपूर्ण लोकतांत्रिक गणराज्य बना इस संविधान के शिल्पकार डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने अपने पूर्ण जीवन को लगातार लोगों में समानता का अधिकार दिलाया था भारत अपने विविधताओं में एकता का प्रतीक है जहां विभिन्न धर्मो संस्कृतियों और भाषाओं के लोग एक साथ रहते हैं यह दिन हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के इतिहास और बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने इस गौरवशाली गणतंत्र की नींव रखी है यह दिन हमें केवल उत्सव मनाने का नहीं बल्कि एक अच्छे नागरिक बने अपने कर्तव्य को निभाने और देश को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों के खिलाफ हिंदी स्वराज की अवधारणा दी और बाद में बाल गंगाधर तिलक महात्मा गांधी जैसे नेताओं ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए व्यापक रूप से अपनाया स्वराज्य केवल अंग्रेजों से आजादी नहीं बल्कि एक ऐसी पूर्ण स्वतंत्रता है जहां भारतीय नागरिक अपनी पद्धति से अपनी संस्कृति और मूल्यों के साथ पूरी तरह आत्मनिर्भर और स्वशासित जीवन जी सके इन्हीं शब्दों के साथ में अपनी वाणी को विराम देता हूं

जय हिंद –जय भारत
जय भीम– जय भारत
जय जवान –जय किसान
अजीत कुमार

अजीत कुमार
बीएड

गणतंत्र दिवस को क्यों मनाया जाता है:

1 -संविधान को कब लागू होना-: 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ जिसने देश को एक लिखितसंविधान और लोकतांत्रिक शासन प्रणाली दी

2- संपूर्ण स्वराज की याद: -यह दिन उसे दिन को भी याद दिलाता है जब 1930 मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्णस्वराज(पूर्ण स्वतंत्रता) की घोषणा की थी/

3 -गणतंत्र की स्थापना: -इस दिन भारत का सम्राट(राजा) के बजाय जनता के प्रतिनिधियों द्वारा शासित एकगणराज्य बन गया/

गणतंत्र दिवस मनाने का महत्व:

1- संवैधानिक मूल्यों का उत्सव:-यह न्याय ,स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों का उत्सव है, जोसभी नागरिकों को समान अधिकार देते हैं/

2 - राष्ट्रीय एकता का प्रतीक: -यह विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बावजूद देश की एकता और विविधता कोदर्शाता है/

3 - स्वतंत्रता सेनानियों की श्रद्धांजलि:- यह उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के बलिदान को याद करनेका दिन है जिसके कारण हमें यह आजादी मिली/

4 - लोकतांत्रिक अधिकारों के याद : यह दिन प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार और जिम्मेदारियों के महत्वको याद दिलाता है जिससे वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सके/

5 - राष्ट्रीय गौरव :- यह हर भारतीय में राष्ट्र के प्रति गौरव और देशभक्ति की भावना जगाता है और देश की प्रगतिमें योगदान करने के लिए प्रेरित करता है

गणतंत्र दिवस भारत के इतिहास, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का एक महत्वपूर्ण उत्सव है जो हमें अपनेसंविधान के आदर्शों और देश क नायकों नायकों को याद दिलाते हैं

जय हिंद जय भारत

नीरा
बीएड

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)

इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था और भारतएक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना, जिसने देश के शासन के लिए ब्रिटिश अधिनियमों कास्थान लिया और नागरिकों को अधिकार व स्वतंत्रता दी. यह दिन 'पूर्ण स्वराज' की ऐतिहासिकघोषणा (1930)की याद दिलाता है, इसलिए संविधान के महत्व और देश के लोकतांत्रिक मूल्योंको सम्मान देने के लिए यह तिथि चुनी गई.

गणतंत्र दिवस मनाने के मुख्य कारण:

1. संविधान का लागू होना: 26 जनवरी 1950 से भारत का अपना संविधान लागू हुआ, जो देश केशासन का आधार बना.
2. पूर्ण गणराज्य की स्थापना: इस दिन भारत का एक पूर्ण लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ, जहां सत्ता जनता के हाथ में है.
3. ऐतिहासिक महत्व: 1930 में इसी दिन कांग्रेस ने 'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता) की घोषणा कीथी, उस भावना को जीवित रखने के लिए यह तारीख चुनी गई.
4. नागरिकों के अधिकार: संविधान ने सभी नागरिकों को न्याय, समानता और मौलिक अधिकारोंकी गारंटी दी.

श्वेता
बीएड

"ज्ञान, अनुशासन और एकता—यही है गणतंत्र का असली सार।"

"शिक्षा का अंतिम लक्ष्य प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि एक श्रेष्ठ चरित्र है।"

"स्वतंत्रता हमें बलिदानों से मिली है, लेकिन गणतंत्र को मज़बूत बनाए रखना हमारी 'ईमानदारी' और 'शिक्षा' पर निर्भर करता है।"

नमस्कार
मेरे प्यारे देशवासियों आप सभी को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

मेरे प्यारे देशवासियों आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए बहुत ही गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिनयानी की 26 जनवरी 1950 को हमारे भारत देश में संविधान लागू हुआ था और हमारा देश स्वतंत्र गणराज्य देश बनाथा हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है जो हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को समानता स्वतंत्रता औरन्याय का अधिकार प्रदान करता है यह दिन हमें भारत राज्य की स्थापना की याद दिलाता है इस दिन हम उनमहापुरुषों को भी याद करते हैं जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलवाने और भारतीय संविधान को तैयार करकेसंविधान को लागू करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी उनकी बदौलत ही भारत आज एक गणराज्य देशकहलाता है और हमें गर्व होना चाहिए इस संविधान को तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले डॉक्टर भीमरावअंबेडकर जी जैसे महापुरुष ने हमारे देश में जन्म लिया उनको बार-बार नमन . जिन्होंने अपने जीवन में कई दिक्कतोंका सामना करते हुए भी देश-विदेश से लगभग 32 डिग्रियां हासिल की थी और हम सबके लिए एक दुनिया से सबसेसुंदर संविधान तैयार किया था जो हमारे देश को सुंदर और समृद्धि शक्तिशाली बनाने में मदद करता है तो चलिएफ्रेंड इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सब प्रतिज्ञा लेते हैं कि हम अपने देश के संविधान का पालन और आदरसम्मान करते हुए अपने सभी कर्तव्य कोई ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक करेंगे । और अपने भारत देश को उन्नति कीओर बढ़ाएंगे तो चलिए अब मैं अपनी बात को समाप्त करते हुए दो लाइन कहना चाहूंगी सारे जहां से अच्छा देश हैहमारा यह है सच्चाई आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

विभा (B.Ed 1st year)

भारत मे संविधान का निर्माण संविधान निर्मात्री सभा द्वारा किया । इस सभा मे 308सदस्य थे , जिसके अध्यक्ष डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद थे! संविधान सभा ने संविधान निर्माणका कार्य 9 दिसम्बर,1946 इसवी को प्रारंभ हुआ और 26 नवम्बर 1949 इसवी कोसंविधान बनकर तैयार हो गया!
संविधान प्रारूप समिति में 8 सदस्य थे,जिसके अध्यक्ष डॉ भीमराव अम्बेडकरथे इस समिति का कार्य संविधान का प्रारूप तैयार करना था!
संविधान सभा ने संविधान को 26 नवम्बर 1949 इसवी को पारित कर दिया! इसप्रकार भारत का संविधान 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन मे बनकर तैयार हुआ!भारत मेसंविधान 26 जनवरी 1950 इसवी को लागू किया गया! नया संविधान लागू होने परभारत एक गणतंत्र बन गया,इसलिए प्रत्येक 26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवसमनाता हैं

धन्यवाद!

पूजा (B.Ed 1st year)

वंदे मातरम

नमन है उन शहीदों को, जिन्होंने प्राण त्यागे हैं,
जगाया देश सोता जो, वही असली सभागे हैं।
हवाओं में तिरंगा आज, गर्व से लहराता है,
यही तो वह तिरंगा है, जो वीरों की बताता है।
बना गणतंत्र अपना जब, मिली हमको नई राहें,
उठीं सीमा पे रक्षक की, सुरक्षा को खड़ी बाहें।
नहीं झुकने देंगे मस्तक, यही संकल्प लेते हैं,
वतन की शान की खातिर, हम अपना सर्व देते हैं।

विकास कुमार
UIMT

छब्बीस जनवरी का दिन आया,
खुशियों का पैगाम है लाया।
इसी रोज हमने पाया था,
संविधान जो अपना कहलाया।
जाति -पाति के भेद भुलाकर,
एक सूत्र में बंधना है।
लोकतंत्र की इस मशाल को,
घर-घर में अब जलाना है।
भारत की पावन धरती पर,
सबको न्याय दिलाना है।
गणतंत्र दिवस के पर्व पर,
देश को स्वर्ग बनाना है।

उपासना
यूआईपीएस
अध्यापक

#uniqueeducation

Visit Us

UIMT CITY, NH-58, GANG NAHAR, MURADNAGAR

www.uimtcollege.com

www.uips.in

Unique group educate the girl

शुभuday Pre-Primary

#shubuday

#uniquepariwar

#uniquegirlpower

#uniqueeducation

Visit Us

NH 58, near Raj Chopla , Modinagar 201204

#shubuday